अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़
वार्षिक पारितोषिक–वितरण समारोह – 30 अप्रैल, 2016
वार्षिक विवरण (2015–2016)

– डॉ0 कृष्णकांत, प्राचार्य

अग्रवाल महाविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर उपस्थित आज के मुख्य अतिथि सम्मानीय डॉ० हनीफ कुरैशी (आई.पी.एस; पुलिस आयुक्त, फरीदाबाद), माननीया डॉ0 शमीम कुरैशी, अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा की सलाहाकार समिति के अध्यक्ष श्रद्धेय लाला रतन सिंह गुप्ता जी, कॉलेज प्रबन्ध समिति के प्रधान आदरणीय श्री देवेन्द्र गुप्ता जी, कॉलेज प्रबन्धन समिति के अन्य माननीय पदाधिकारी, विद्या प्रचारिणी सभा के आदरणीय सदस्य, महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापक व गैर शिक्षक समुदाय, कर्मचारी–वर्ग, पत्रकार बन्धु तथा पुरस्कार प्राप्त करने आए विद्यार्थियो –

आप सबका हार्दिक स्वागत और अभिनन्दन ।

आज के समारोह के मुख्य अतिथि सम्मानीय डॉ0 हनीफ कुरैशी (प्दै) अत्यन्त प्रतिष्ठित और गरिमामय व्यक्तित्व के स्वामी हैं. सन् 2000 से लेकर अब तक आप हरियाणा पुलिस में अनेक महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित कर चुके हैं । आपने जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से म्समबजतपबंस म्दहहण् में ठण्ज्मबी करने के उपरान्त गुरुनानक विश्वविद्यालय अमृतसर से "पुलिस प्रशासन" में डण्चेपस की डिग्री प्राप्त की । बंगलौर से डण्ज्मबी और ै। के विश्वविद्यालय से डठ। की उपाधि ग्रहण करने के पश्चात वहीं से " आपराधिक न्याय" विषय पर पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की । आपकी लेखन में भी विशेष रूचि है । आपके द्वारा रचित पुस्तक व कई ठववा त्मअपमू भी प्रकाशित हो चुके हैं । आप देश–विदेश में आयोजित अनेक संगोष्ठियों में भी भाग लेकर अपने ज्ञान का नवीकरण करते रहते हैं । आज समाज को आप जैसे कर्मठ, कुशल और परिश्रमी पुलिस अधिकारियों की आवश्यकता है । आप जैसे व्यवहार–कुशल, सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित और न्यायशील–व्यक्तित्व के धनी मुख्य अतिथि को कॉलेज प्रागंण में उपस्थित पाकर हम गौरवान्वित अनुभव कर रहे हैं । मान्यवर, आपने हमारे आग्रह को स्वीकार कर अपने व्यस्त समय में से वक्त निकाला, इसके लिए हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं । आपके ओजस्वी विचारों को सुनकर और आपके द्वारा पुरस्कार प्राप्त कर हमारे विद्यार्थी अवश्य ही लाभान्वित होंगे ।

मान्यवर, अब मैं आपके समक्ष अपने महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करता हूँ । वर्ष 1971 में बल्लबगढ़ और आस–पास के गाँवों के युवाओं की उच्च–शिक्षा की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कुछ प्रतिबद्ध–समाजसेवियों ने अग्रवाल महाविद्यालय की स्थापना की । इस महाविद्यालय के अतिरिक्त विगत सत्र से अग्रवाल बी.एड. कॉलेज भी आरंभ हो चुका है । अग्रवाल विद्या प्रचारिणी–सभा की स्थापना वर्ष 1945 में हुई. इस सभा द्वारा संचालित छः विद्यालय भी हैंण् इन सभी संस्थाओं में आज लगभग 15000 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं । जिसमें 4205 विद्यार्थी महाविद्यालय के हैं। महोदय, हमारी विद्या प्रचारिणी सभा के सभी सदस्य उदार हृदय भी हैं जिसके चलते उन्होंने गरीबी रेखा से नीचे एवं अन्य सभी विद्यार्थी जो फीस देने में असमर्थ हैं उनकी सहायतार्थ 70ए13ए200 रू0 की धन राशि का थ्मम बवदबमेपवद किया है जो अपने आप में एक मिसाल है. इस वर्ष प्रबन्ध समिति ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए "समर्थ योजना" का एलान किया जिसमें उनके लिए शुल्क माफ़ी,

छात्रवृत्ति एवं पुस्तकों की व्यवस्था की जाएगी ।

महाविद्यालय में कुल 26 कोर्स चलाये जा रहे हैं जिसमें से 6 स्नातकोत्तर स्तर के और 8 व्यवसायपरक (6 ।कक.वद और 2 ठण्टवब ब्वनतेमेद्ध हैं । आगामी सत्र से महाविद्यालय में एम.ए. अंग्रेज़ी, एम.एस.सी. रसायन शास्त्र और बी.एस.सी. ऑनर्स गणित की कक्षाएँ प्रारम्भ होने जा रही हैं. कॉलेज के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त तीन पुस्तकालय हैं जिनमें 109189 पुस्तकें, 64 जरनल और 32 दैनिक समाचार पत्र उपलब्ध हैं., 620 कम्प्यूटरों से युक्त 12 कम्प्यूटर लैब, रिटेल लैब, रसायन शास्त्र व भौतिक–शास्त्र की प्रयोगशालाएं हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक–ज्ञान प्रदान किया जाता है । महाविद्यालय में स्ब्क और उंतज ठवंतक से युक्त 8 उंतज ब्सें त्ववउे हैं. महाविद्यालय के तीनों संभाग वाई.फाई. और इन्टरनेट सुविधा से युक्त हैं ।

विद्यार्थियों व प्राध्यापकों के संयुक्त प्रयासों के द्वारा कॉलेज ने विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालय, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं ।

हमारे महाविद्यालय के परीक्षा–परिणाम विश्वविद्यालय की तुलना में सदैव सकारात्मक रहते हैं । वर्ष 2014–15 की वार्षिक–परीक्षा में कुल 507 विद्यार्थियों ने महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक की मैरिट–लिस्ट में स्थान प्राप्त किए. जिनमें 136 विद्यार्थी प्रथम स्थान से पन्द्रहवें स्थान पर रहे और 5 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की मैरिट–लिस्ट में प्रथम स्थान मिला तथा 7 विद्यार्थियों को द्वितीय स्थान ।

खेलों के क्षेत्र में महाविद्यालय के बी.कॉम के छात्र गौरव गर्ग ने अन्तर्राष्ट्रीय पेन्टागुलर थ्रो बॉल चैम्पिनशिप में स्वर्ण–पदक हासिल कर न केवल महाविद्यालय और विश्वविद्यालय का बल्कि हरियाणा और राष्ट्र का भी गौरव बढ़ाया है । बीएस.सी. द्वितीय वर्ष का छात्र वैभव सिंह सॉफ्ट बॉल का अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी है । उसने भूटान में आयोजित इन्डो भूटान सॉफ्ट बॉल चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और उसे विश्व चैम्पियनशिप के लिए चुना गया । यह अपने आप में एक अभूर्तपूर्व उपलब्धि है। बी.कॉम. प्रथम वर्ष के छात्र हरकेश ने पटियाला में आयोजित अखिल भारतीय अन्तः विश्वविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में रजत पदक प्राप्त किया और विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप के लिए चुना गया । हमारे महाविद्यालय की महिला बेस बॉल टीम ने 30वीं सीनियर राष्ट्रीय बेस बॉल चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त कर हरियाणा को गौरव पूर्ण स्थान दिलाया है । क्योंकि हरियाणा की किसी महिला खिलाड़ी टीम ने पहली बार यह उपलब्धि प्राप्त की है । महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई तीन की स्वयंसेविका प्रियंका शर्मा को सामाजिक कार्यों में अपने योगदान के लिए महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के एन.एस.एस. विभाग द्वारा तृतीय स्थान पर सम्मानित किया गया । कॉलेज के नाट्य समूह "मंथन" से जुड़े विद्यार्थियों ने उपभोक्ता अधिकार, महिला सुरक्षा और बेटी बचाओ जैसे सामाजिक मुद्दों को प्रकट करने वाले नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अन्तःमहाविद्यालय प्रतियोगिताओं के दौरान अपने बेहतरीन प्रदर्शन से सराहना व प्रशंसा अर्जित की ।

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास व जागरुकता बढ़ाने के लिए अनेक फोरम व क्लब हैं । एन.एस.एस., एन.सी.सी के साथ साथ महिला प्रकोष्ठ, पर्यावरण क्लब, युवा रैडक्रॉस, रैडरिबन क्लब, कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ, हिन्दी साहित्य परिषद, अंग्रेज़ी, संगीत, विज्ञान, गणित, स्पोर्टस, कम्प्यूटर, अर्थशास्त्र, वाणिज्य और प्रबन्धन सभी विषयों से संबंधित फोरम विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए समय–समय पर अनेक विद्वानों की वार्ताएं, भाषण व ज्ञान–उपयोगी कार्यक्रम करवाते रहते हैं ।

महाविद्यालय में वन महोत्सव, एड्स दिवस, स्वामी विवेकानन्द तथा स्वामी दयानन्द जैसे महापुरुषों के जन्म दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, हिन्दी दिवस मनाए जाते हैं ताकि विद्यार्थी अपनी सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विरासत से जुड़े रहें ᐧ विद्यार्थी सामुदायिक विकास में भी विशेष भूमिका निभाते हैं ᐧ भारत सरकार और हरियाणा सरकार की नीति के अन्तर्गत महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक की ओर से न्दपअमतेपजल व्नजतमंबी कार्यक्रम आरंभ किया गया ᐧ जिसके अन्तर्गत चंदावली गाँव को गोद लिया है ᐧ वहाँ हमारे कॉलेज के एन.एस.एस., एन.सी.सी. तथा यूथ रैड क्रॉस से जुड़े प्राध्यापकों और छात्रों द्वारा रैली और वार्ताओं के माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छता, नारी सशक्तिकरण, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, नशा मुक्ति आदि ज्वलन्त विषयों पर सकारात्मक कार्य किया जा रहा है ᐧ विद्यार्थियों में सेवा भाव जगाने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है ᐧ

मान्यवर, महाविद्यालय के सभी कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के लिए विभिन्न समितियाँ गठित की गई हैं ᐧ विद्यार्थियों को आत्माभिव्यक्ति का मंच प्रदान करने के लिए वार्षिक पत्रिका "स्रोत" प्रकाशित की जाती है और कॉलेज की समस्त गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए "त्रैमासिक समाचार पत्रिका" (छमू स्मजजमतद्ध भी प्रकाशित की जा रही है ᐧ इनके अतिरिक्त दो अन्तर्राष्ट्रीय जरनल भी प्रकाशित होते हैं ᐧ

विद्यार्थियों के साथ–साथ हमारे महाविद्यालय के प्राध्यापक भी समय–समय पर राष्ट्रीय और अन्तर्रष्ट्रीय संगोष्ठियों व कार्यशालाओं में अपने शोध–पत्र प्रकाशित करवा छात्र–हित में अपने ज्ञान का नवोदय करते रहते हैं ᐧ हमारे महाविद्यालय में इस शैक्षणिक सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और महानिदेशक उच्चतर शिक्षा के सहयोग से 2 राष्ट्रीय और 1 राज्य स्तरीय संगोष्ठी आयोजित की गई ᐧ

मान्यवर, हमारे महाविद्यालय की इन समस्त उपलब्धियों का श्रेय विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, गैर शिक्षण कर्मचारियों और प्रबन्धन समिति के सामूहिक प्रयास को जाता है ᐧ इन्हीं सामूहिक प्रयासों का सुफल यह है कि गत वर्ष राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की तीन सदस्यों की टीम ने महाविद्यालय की समस्त गतिविधियों, विभागों, प्दतिंजतनबजनतम और प्रशासनिक कार्यों की बारीकी से जाँच करते हुए महाविद्यालय को 3.40 सी.जी.पी.ए. प्रदान करते हुए "।" ग्रेड प्रदान किया ᐧ अब इस महाविद्यालय की गणना हरियाणा तो क्या भारत के श्रेष्ठतम महाविद्यालयों में की जाती है ᐧ विगत पाँच वर्षों में महाविद्यालय की शिक्षा, खेल, शोध एवं अन्य शिक्षणेतर गतिविधियों के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियों को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने एक सघन चयन प्रक्रिया के पश्चात् अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़ को "कॉलेज विद पोटंशियल फॉर एक्सिलेंस" (सी.पी.ई.) का दर्जा प्रदान किया ᐧ "श्रेष्ठता सामर्थ्य केन्द्र" घोषित होने के साथ ही अब महाविद्यालय को प्रथम चरण में 150 लाख की अनुदान राशि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त होगी, जिसका उपयोग शिक्षण, शोध, खेल एवं अन्य गतिविधियों के निरन्तर विकास के लिए किया जाएगा ᐧ

महोदय, विज्ञान एवं तकनीकि शिक्षा, खेल, अनुसंधान और नवोन्मेष चार स्तम्भ हैं जिन पर किसी राष्ट्र की कार्य–संस्कृति और विकास टिका होता है ᐧ महाविद्यालय में हम अपने विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा और आवश्यक कौशल प्रदान करते हैं ताकि वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफल हों ᐧ

कॉलेज के विकास और प्रगति में अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा तथा इसके पदाधिकारियों विशेषतः पूर्व प्रधान लाला रतन सिंह गुप्ता जी, वर्तमान प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता जी, उपप्रधान श्री वासुदेव गुप्ता जी, महासचिव श्री विजय कुमार गुप्ता जी, व कोषाध्यक्ष श्री मेहर चन्द मित्तल का महत्वपूर्ण योगदान है । परम श्रद्धेय लाला रतन सिंह गुप्ता जी ने 36 वर्ष तक निरन्तर विद्या प्रचारिणी सभा के अध्यक्ष पद पर रहकर शिक्षा के क्षेत्र में समाज–सेवा का जो अभूतपूर्व सराहनीय कार्य किया, बल्लबगढ़ समाज हमेशा उनका ऋणी रहेगा । महानिदेशक, उच्चतर शिक्षा एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूँ ।

अन्त में, मैं सभी माननीय अतिथियों विशेषतः मुख्य अतिथि के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने यहाँ पधार कर समारोह की शोभा बढ़ाई ।

पुरस्कार विजेताओं को बहुत–बहुत बधाई और सभी विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए डॉ० हरिवंशराय बच्चन की इन पंक्तियों से अपनी बात समाप्त करना चाहता हूँ–

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो ।
जब तक ना सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम ।
कुछ किये बिना ही जय–जयकार नहीं होती
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती ।